

भारत के प्रधानमंत्री की यूक्रेन यात्रा

प्रलिस के लयि:

[रूस-यूक्रेन संघर्ष](#), [भारत हेल्थ इनशिएटिवि फॉर सहयोग](#), [हति एंड मैत्री- BHISHM](#), [मोबाइल असपताल](#), [प्रोजेक्ट आरोग्य मैत्री](#), [भारत की वदिश नीति](#), [सुरजमुखी तेल](#), [तलवार शरणी फरगिट](#), [रकषा अनुसंधान एवं वकिस संगठन \(DRDO\)](#), [अनुचछेद 370](#) |

मेन्स के लयि:

भारत-यूक्रेन संबंधों का महत्त्व और रूस एवं पश्चिमी देशों के बीच संबंधों में संतुलन

[स्रोत: द हद्दि](#)

भारत के प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के राष्ट्रपति के नमिर्ण पर यूक्रेन का दौरा कयि। वर्ष 1991 में यूक्रेन की स्वतंत्रता के बाद से यह यूक्रेन का दौरा करने वाला पहला भारतीय राष्ट्रध्यकष था।

- यह यात्रा रकषा कषेत्र में सहयोग पर केंद्रति थी कयोंकि भारत के पास यूक्रेनी मूल के सैन्य उपकरणों का वशिल भंडार है।

भारत के प्रधानमंत्री की यूक्रेन यात्रा से मुख्य तथ्य क्या हैं?

- रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत के रुख का स्पष्टीकरण:** भारत के प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दयि कयि कि [रूस-यूक्रेन संघर्ष](#) में भारत कभी भी तटस्थ नहीं रहा है और हमेशा शांति के पक्ष में खड़ा रहा है।
 - भारत संघर्ष के शीघ्र समाधान के लयि व्यावहारिक समाधान खोजने हेतु सभी हतिधारकों से भागीदारी का आग्रह करता है।
- अंतर-सरकारी आयोग का गठन:** भारत और यूक्रेन के बीच द्वपिकषीय वाणजियक एवं आर्थिक संबंधों को पूर्व-संघर्ष स्तर पर बहाल करने तथा प्रगाढ़ करने के लयि एक अंतर-सरकारी आयोग का गठन कयि गया है।
 - वर्ष 2021-22 में द्वपिकषीय व्यापार 3.386 बलियिन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है।
- चार प्रमुख समझौतों पर हस्ताकषर:** दोनों देशों ने कृषि, खाद्य उद्योग, चकितिसा उत्पाद वनियमन और सांस्कृतिक सहयोग जैसे कषेत्रों को शामिल करने वाले चार समझौतों पर हस्ताकषर कयि।
 - समझौतों का उद्देश्य कृषि और खाद्य उद्योग में सहयोग को बढ़ावा देना, चकितिसा उत्पादों को वनियमति करना, मानवीय अनुदान सहायता प्रदान करना तथा दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मज़बूत करना है।
- यूक्रेन को भीषम क्यूब उपहार में दयि:** भारत ने यूक्रेन को चार [भारत हेल्थ इनशिएटिवि फॉर सहयोग](#), [हति एंड मैत्री \(BHISHM\)](#) क्यूब उपहार में दयि, जनिहें [मोबाइल असपतालों](#) के माध्यम से आपातकालीन चकितिसा देखभाल प्रदान करने के लयि डज़ाइन कयि गया है।
 - ये क्यूब्स [प्रोजेक्ट आरोग्य मैत्री](#) का हसिसा हैं, जो महत्त्वपूर्ण चकितिसा आपूर्ति प्रदान करने और संकट की स्थतियिों में चकितिसा सुवधियों की तेज़ी से तैनाती सुनश्चिति करने का एक कार्यक्रम है।
- शहीदों के प्रति भार्मक समैक्य/एकजुटता:** प्रधानमंत्री ने कीव में यूक्रेन के राष्ट्रीय इतिहास संग्रहालय में शहीद बच्चों की स्मृति में आयोजति मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का दौरा कयि। युद्ध में अपनी जान गँवाने वाले बच्चों की याद में आयोजति भार्मक प्रदर्शनी से अत्यधिक मरमाहत हुए।
 - उन्होंने बच्चों की दुःखद मृत्यु पर दुःख व्यक्त कयि और सम्मान के तौर पर उनकी स्मृति में एक खिलौना अर्पति कयि।
- राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की को आमंत्रण:** भारत के प्रधानमंत्री ने यूक्रेनी राष्ट्रपति को भारत यात्रा के लयि आमंत्रति कयि, जो वर्ष 1991 के बाद से यूक्रेन की उनकी पहली यात्रा के दौरान एक महत्त्वपूर्ण संकेत था।

भारत-यूक्रेन संबंधों की गतशीलता क्या है?

- ऐतिहासिक यात्रा:** श्री नरेंद्र मोदी वर्ष 1992 में राजनयिक संबंध स्थापति होने के बाद से यूक्रेन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधान मंत्री हैं। वर्ष 1991 में [सोवियत संघ](#) के पतन के बाद यूक्रेन को स्वतंत्रता मिलने के बाद भारत उसे मान्यता देने वाले देशों में से एक था।
- पारंपरिक वदिश नीति से प्रस्थान:** ऐतिहासिक रूप से भारत ने [सोवियत संघ](#) (रूस के पूर्ववर्ती) के साथ घनषिट संबंध बनाए रखे और यूक्रेन के साथ उसका कम जुड़ाव था।

- यह यात्रा यूरोप के साथ संबंधों को बढ़ाने की भारत की व्यापक रणनीतिक हसिसा है, जो यूरोप के चार बड़े देशों यानी रूस, जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के साथ संबंधों पर केंद्रित वगित संकीर्ण फोकस से परे आगे बढ़ रही है।
- यह यात्रा **भारत की वदिश नीति** में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है, जो **मध्य और पूर्वी यूरोप** के साथ व्यापक जुड़ाव को दर्शाती है।
- **द्विपक्षीय संबंधों में नए अवसर:** वदिश मंत्री और **राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार** के यूक्रेनी समकक्षों के साथ उच्च स्तरीय वार्ता में वृद्धि हुई है।
- **सामरिक हति: गैस टरबाइन** और वमिन जैसी रक्षा प्रौद्योगिकी में यूक्रेन की विशेषज्ञता भारत में **सहयोग एवं संयुक्त वनरिमाण के अवसर** प्रदान करती है।
- **आर्थिक अवसर:** वशिव की कृषि शक्तियों में से एक के रूप में यूक्रेन की शक्ति से आने वाले वर्षों में इसकी **सामरिक प्रमुखता** में वृद्धि होगी।
- युद्ध-पूर्व यूक्रेन भारत के लिये **सुरजमुखी तेल** के सबसे बड़े स्रोतों/नरियातकों में से एक था।
- **स्वतंत्र वदिश नीति:** यूक्रेन के साथ भारत का समन्वय रूस के साथ उसके संबंधों को कमज़ोर नहीं करती है, जो **भारत की तटस्थ नीति** को दर्शाती है।

भारत के रक्षा क्षेत्र के लिये यूक्रेन क्यों महत्त्वपूर्ण है?

- **सोवियत युग के उपकरण:** भारत के पास सोवियत युग के रक्षा उपकरणों का एक महत्त्वपूर्ण भंडार है जिनका अभी भी परचालन हो रहा है, जिसमें भारतीय नौसेना के युद्धपोतों के लिये **गैस टरबाइन इंजन** और भारतीय वायु सेना (IAF) द्वारा संचालित **An-32 वमिन** शामिल हैं।
- **भारतीय वायु सेना:** जून 2009 में भारत ने यूक्रेन के **स्पेट्सटेकनोएक्सपोर्ट (STE)** के साथ **105 AN-32 वमिनों** के अपने बेड़े को अपग्रेड करने, उनके जीवनकाल को 40 वर्ष तक बढ़ाने और उनके एवियोनिक्स में सुधार करने के लिये 400 मिलियन अमरीकी डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किये।
 - भारतीय वायुसेना हमारी उत्तरी सीमा पर तैनात सेना के जवानों के हवाई रखरखाव, **एयर कार्गो ड्रॉप-ऑफ** और पैरा ड्रॉप-ऑफ के लिये **AN-32 पर बहुत अधिक नरिभर** है।
- **भारतीय नौसेना:** यूक्रेन गोवा शिपियार्ड लमिटिड (GSL) में दो एडमरिल ग्रगिरोवचि-क्लास फ्रिगिट के नरिमाण के लिये महत्त्वपूर्ण घटकों की आपूर्ति कर रहा है।
 - इसका प्रभाव विशेष रूप से भारतीय नौसेना पर पड़ा है, क्योंकि इसके **30 से अधिक अग्रणी युद्धपोत** यूक्रेन की **ज़ोर्या मेशप्रोएक्ट (Zorya-Mashproekt)** द्वारा नरिमति इंजनों से संचालित होते हैं।
 - यूक्रेन की सरकारी स्वामित्व वाली ज़ोर्या मेशप्रोएक्ट **तलवार श्रेणी के फ्रिगिट/युद्धपोतों** द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले गैस टरबाइनों के संयुक्त नरिमाण के लिये भारतीय नज़ी क्षेत्र की कंपनियों के साथ वार्ता कर रही है।
- **रक्षा व्यापार:** वर्ष 2019 में **बालाकोट हवाई हमले** के बाद IAF ने अपने **SU-30MKI लडाकू वमिनों** के लिये यूक्रेन से **R-27 एयर-टू-एयर मारक मिसाइलों** की आपातकालीन खरीद की।
 - फरवरी 2021 में एयरो इंडिया में यूक्रेन ने 70 मिलियन अमरीकी डॉलर के चार समझौतों पर हस्ताक्षर किये जिसमें नए आयुधों की बिक्री के साथ-साथ भारतीय सैन्य सेवा में मौजूदा आयुधों का रखरखाव और उन्नयन शामिल है।
- **भारतीय रक्षा उद्योग को बढ़ावा:** भारतीय रक्षा उपकरण बाज़ार में अपनी उपस्थिति को प्रबल करने के प्रयासों के अलावा यूक्रेन का लक्ष्य भारत से कुछ सैन्य हार्डवेयर खरीदना है।
 - यूक्रेन ने अनुसंधान और वकिसा में संभावित सहयोग के लिये **रक्षा अनुसंधान और वकिसा संगठन (DRDO)** के साथ भी चर्चा की।

भारत-यूक्रेन संबंधों में क्या समस्याएँ हैं?

- **रूस-यूक्रेन युद्ध:** चल रहा रूस-यूक्रेन युद्ध यूक्रेन और उसके पश्चिमी भागीदारों के साथ भारत के संबंधों में लगातार समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है।
 - भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण पर तटस्थ रुख बनाए रखा है, कूटनीति और संवाद का समर्थन करते हुए मास्को की सीधी नदि से परहेज़ किया है।
 - भारत ने रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतबंधों में शामिल होने से मना कर दिया है और रियायती मूल्य पर रूसी ईंधन खरीदना शुरू कर दिया है।
 - भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव पर मतदान से काफी हद तक परहेज़ किया है, जिसमें यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की नदि की गई थी।
- **आपूर्ति शृंखला में रुकावटें:** युद्ध ने महत्त्वपूर्ण रक्षा उपकरणों की आपूर्ति शृंखलाओं को बाधित कर दिया। उदाहरण के लिये, यूक्रेनी कारखानों पर संघर्ष के प्रभाव के कारण भारतीय वायु सेना के An-32 वमिन के उन्नयन में देरी हुई है।
 - रूस ने भारत को एस-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणाली के शेष दो सक्वाड्रन की डलिवरी अगस्त 2026 तक के लिये टाल दी है।
- **कश्मीर पर यूक्रेन का रुख:** कश्मीर मुद्दे पर यूक्रेन की सामयिक टपिपणियाँ और रुख दोनों देशों के बीच टकराव का स्रोत रहे हैं।
 - वर्ष 2019 में भारत द्वारा **अनुच्छेद 370** को नरिसूत करने के बाद यूक्रेन ने **जम्मू और कश्मीर की स्थिति पर चिता व्यक्त की**, जिससे भारत ने अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देखा।
- **कूटनीतिक वसिंतयियाँ:** वदिश नीति प्राथमिकताओं और वैश्विक संरेखण में अंतर ने कभी-कभी **भारत-यूक्रेन संबंधों** में घर्षण उत्पन्न किया है।
 - रूस के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी यूक्रेन के रूसी कार्यों के वरिोध के वपिरीत है, जिससे **कूटनीतिक संतुलन** की स्थिति उत्पन्न होती है, जो द्विपक्षीय संबंधों को जटिल बनाती है।

आगे की राह

- **रूस-यूक्रेन संघर्ष पर संतुलित दृष्टिकोण:** भारत को रूस-यूक्रेन संघर्ष पर अपना रुख सावधानीपूर्वक बनाए रखना चाहिये।
 - रूस के साथ अपने **सामरिक संबंध** बनाए रखते हुए, भारत को यूक्रेन की **संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता** के प्रति भी चिता व्यक्त करनी

चाहयि ।

- **सामरकि स्वायत्तता और गुटनरिपेक्षता:** भारत को अपनी सामरकि स्वायत्तता और **गुटनरिपेक्षता** की नीतिपर ज़ोर देना जारी रखना चाहयि ।
 - ऐसा करने से वह ऐसे भू-राजनीतिक संघर्षों में फँसने से बच सकता है जो सीधे तौर पर उसके राष्ट्रीय हितों की पूर्ता नहीं करते ।
- **मानवीय सहायता एवं समर्थन:** भारत **मानवीय सहायता** एवं समर्थन प्रदान करके यूक्रेन के साथ अपने संबंधों को बढ़ा सकता है ।
 - इसमें चिकित्सा सहायता, पुनर्नरिमाण सहायता और युद्धग्रस्त क्षेत्रों के पुनर्नरिमाण के लयि तकनीकी विशेषज्ञता शामिल हो सकती है ।
- **मध्यस्थता और शांतिपहल:** यदिअवसर मला तो भारत रूस और यूक्रेन के बीच **मध्यस्थता** की पेशकश कर सकता है, क्योंकिदोनों देशों के साथ उसके अच्छे संबंध हैं ।
 - इससे भारत एक ज़मिमेदार वैश्विक अभकिर्त्ता के रूप में स्थापति होगा और संघर्ष का शांतपूरण समाधान खोजने में मदद मलिंगी ।
- **वैश्विक दक्षणि एकजुटता का लाभ उठाना:** भारत को अन्य **ग्लोबल साउथ** देशों के साथ मलिकर एक गठबंधन बनाना चाहयि जो यूक्रेन जैसे संघर्ष क्षेत्रों में शांति और वकिसा को बढ़ावा देना ।

????????????????????:

प्रश्न. रूस-यूक्रेन युद्ध के आलोक में भारत और यूक्रेन के बीच सहयोग के संभावति क्षेत्रों की जाँच कीजयि ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

????????????????

प्रश्न. नमिनलखिति देशों पर वचिर कीजयि: (2023)

1. बुल्गारयि
2. चेक रिपब्लकि
3. हंगरी
4. लातवयि
5. लथुआनयि
6. रोमानयि

उपरोक्त में से कतिने देशों की सीमाएँ यूक्रेन की सीमा के साथ स्थलीय साझी हैं?

- (a) केवल दो
- (b) केवल तीन
- (c) केवल चार
- (d) केवल पाँच

उत्तर: (a)

प्रश्न: नमिनलखिति में से कौन-सा देश मोल्दोवा के साथ सीमा साझा करता है? (2008)

1. यूक्रेन
2. रोमानयि
3. बेलारूस

नीचे दयि गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

